वर्ष 10, अंक 118

सहयोग शुल्क : रु.1 / अगस्त 2026

दिव्यांग सेतु

संपादक : संतश्री ॐऋषि प्रितेषभाई

"सच्ची स्वतंत्रता तभी है, जब हर दिव्यांगजन सम्मान, आत्मनिर्भरता और समान अवसरों के साथ राष्ट्र निर्माण में सहभागी बने।"

(प .पू .संतश्री सदगुरु ॐऋषि स्वामी)

"आइए, स्वतंत्र भारत के संकल्प को और मजबूत करें— हर दिव्यांगजन को सम्मान, समान अवसर और सशक्त भविष्य देकर।"

(प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी)

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेब्रलपाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटी से असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदनपत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाणपत्र/दस्तावेज

सिविल सर्जन का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाणपत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाणपत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

स्वतंत्रता दिवस केवल तिरंगा फहराने और राष्ट्रीय पर्व मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी समय है कि क्या हमारे देश का प्रत्येक नागरिक वास्तव में स्वतंत्र और सशक्त है। जब तक प्रत्येक दिव्यांगजन को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सुगम परिवहन और सम्मानजनक जीवन का अधिकार नहीं मिलता, तब तक स्वतंत्रता का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण नहीं माना जा सकता।इस अंक में हमने दिव्यांग सशक्तिकरण से जुड़े प्रेरणादायक विषयों को स्थान दिया है। भारत के गौरव देवेंद्र झाझरिया की संघर्षपूर्ण यात्रा यह संदेश देती है कि शारीरिक सीमाएँ सफलता की राह नहीं रोक सकतीं। आत्मविश्वास, परिश्रम और दृढ़ संकल्प से असंभव लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आयोजित आर्थिक सहायता, सहायक उपकरण और मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल परीक्षण शिविर यह दर्शाते हैं कि सही अवसर और संसाधन मिलने पर दिव्यांगजन आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। सामाजिक और सांस्कृतिक सहभागिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अहमदाबाद में विशेष बच्चों को रथयात्रा का लाइव दर्शन कराना और दिव्यांग बच्चों के लिए मैजिक शो जैसे आयोजन उनके जीवन में खुशी, आत्मविश्वास और नई प्रेरणा भरते हैं। ये पहल उन्हें समाज से जोड़ने और समान भागीदारी का विश्वास दिलाने का कार्य करती हैं।हमारा प्रयास है कि सरकारी योजनाओं, प्रेरणादायक व्यक्तित्वों और सकारात्मक पहलों की जानकारी प्रत्येक दिव्यांग परिवार तक पहुँचे, ताकि कोई भी अपने अधिकारों और अवसरों से वंचित न रहे। इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि दिव्यांगजनों को दया नहीं, अधिकार; सहानुभूति नहीं, समान अवसर; और बाधाएँ नहीं, आगे बढ़ने का मार्ग देंगे। यही सच्ची स्वतंत्रता और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है।

दिव्यांग सेतु
मासिक पत्रिका

अगस्त 2026, पृष्ठ संख्या – 16
वर्ष – 10 | अंक – 118

प्रेरणास्त्रोत और संपादक

मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८
प. पू. संतश्री सद्गुरु ॐऋषि स्वामी ।

सह-संपादक

मिहिरभाई शाह
मो. 97241 81999

संपर्क-सूत्र

सेवा समर्पण फाउण्डेशन
ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट(NGO)

Trust Reg. No.: E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,
अन्नपूर्णा पार्टी प्लॉट के सामने, नया
विकासगृह रोड, पालडी,
अहमदाबाद - ३८०००७

(मो.) 99749 55365, 9974955125

मुद्रक

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.
आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6
Phone : 079 26405200

ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट ने दिव्यांग बच्चों के लिए रचा खुशियों का जादुई संसार

अहमदाबाद। दिव्यांग बच्चों के जीवन में खुशियां, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के उद्देश्य से ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा 5 जुलाई को पालडी स्थित अन्नपूर्णा हॉल में विशेष मैजिक शो एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 दिव्यांग बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन के माध्यम से सेवा, समर्पण और सकारात्मक सोच का संदेश दिया गया। इसके बाद ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने अभिभावकों को हयाती (Hayati) फॉर्म से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। पंजीकरण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और इससे मिलने वाली सुविधाओं को सरल भाषा में समझाया गया, ताकि परिवार सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का उचित लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम में निरामय हेल्थ पॉलिसी के बारे में भी जागरूक किया गया। दिव्यांगजनों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाओं और योजना से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी अभिभावकों तक पहुंचाई गई। इस पहल का उद्देश्य परिवारों को केवल योजनाओं की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों और उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक बनाना भी था। कार्यक्रम का सबसे खास और आनंदमय आकर्षण रहा मैजिक शो। जादूगर के रोमांचक करतबों ने बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर जादुई प्रस्तुति के साथ बच्चों की तालियां, हंसी और उत्साह से पूरा हॉल गूंज उठा। कुछ समय के लिए बच्चे अपनी चिंताओं से दूर होकर जादू की इस खूबसूरत दुनिया में खो गए। कार्यक्रम ने उनके भीतर खुशी, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच की नई ऊर्जा जगाई।

वोइस टू दिव्यांग

बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए ट्रस्ट की ओर से नाश्ते की विशेष व्यवस्था भी की गई। स्वयंसेवकों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की सुविधाओं का ध्यान रखा, जिससे आयोजन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट लंबे समय से दिव्यांगजनों के कल्याण, अधिकारों के प्रति जागरूकता और समान अवसर के लिए कार्यरत है। ट्रस्ट का मानना है कि दिव्यांग बच्चे समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उन्हें सम्मान, प्रोत्साहन तथा अवसर देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यह आयोजन महज एक मैजिक शो नहीं, बल्कि खुशियों के साथ जागरूकता और संवेदना का संदेश देने वाली एक सार्थक पहल रहा। ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट का यह प्रयास निश्चित रूप से बच्चों और उनके परिवारों के लिए यादगार अनुभव बना और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी आयोजनों के माध्यम से सहायता, जागरूकता और खुशियां पहुंचाने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम साबित होगा।

स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट में विशेष बच्चों के लिए अनोखी पहल

भगवान श्री जगन्नाथ जी की ऐतिहासिक रथयात्रा अहमदाबाद की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। इस भव्य परंपरा से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को जोड़ने और उन्हें भारतीय संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट, अखबार नगर, नवा वाडज द्वारा 16 जुलाई को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट में अध्ययनरत बौद्धिक दिव्यांगता वाले बच्चों को भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा का लाइव प्रसारण बड़े स्क्रीन पर दिखाया गया। बच्चों के लिए यह अनुभव बेहद खास और उत्साह से भरा रहा। जैसे ही रथयात्रा का लाइव प्रसारण शुरू हुआ, बच्चों के चेहरों पर उत्सुकता और खुशी साफ दिखाई देने लगी। भव्य रथ, आकर्षक झांकियां, भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दर्शन, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ ने बच्चों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

बच्चे पूरे उत्साह के साथ स्क्रीन पर दिखाई दे रहे दृश्यों को देखते रहे। किसी के चेहरे पर आश्चर्य था तो कोई रथयात्रा से जुड़े दृश्यों को देखकर अपने शिक्षकों से सवाल कर रहा था। इस तरह पूरा वातावरण बच्चों की खुशी, जिज्ञासा और उत्साह से जीवंत हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट के शिक्षकों एवं सदस्यों ने बच्चों को रथयात्रा के बारे में सरल और सहज भाषा में जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, प्रेम, समानता, सेवा और सामाजिक एकता का संदेश देने वाली महान परंपरा है। बच्चों को यह भी समझाया गया कि अहमदाबाद की रथयात्रा शहर की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है और हर वर्ष हजारों लोग श्रद्धा एवं उत्साह के साथ इसमें शामिल होते हैं। दृश्य माध्यम से रथयात्रा को प्रत्यक्ष रूप से देखने के कारण बच्चों के लिए इस परंपरा को समझना और उससे जुड़ना आसान रहा। उनके लिए यह एक ऐसा अवसर था, जिसमें देखने के साथ सीखने और अनुभव करने का भी मौका मिला। रथयात्रा के भव्य दृश्यों के बीच बच्चों की मुस्कान इस आयोजन की सबसे खूबसूरत तस्वीर बनी। स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट का यह प्रयास बच्चों को समाज और संस्कृति की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक संवेदनशील और सार्थक पहल रहा।

वोइस टू दिव्यांग

स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट में आयोजित रथयात्रा के लाइव दर्शन का उद्देश्य केवल बच्चों को एक धार्मिक आयोजन दिखाना नहीं था। इसके पीछे बच्चों को भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों और हमारी समृद्ध परंपराओं से परिचित कराना भी एक महत्वपूर्ण उद्देश्य था।

लाइव प्रसारण के दौरान बच्चों ने रथयात्रा से जुड़े अनेक दृश्यों को ध्यानपूर्वक देखा। कई बच्चों ने भगवान श्री जगन्नाथ जी, रथ, झांकियों और यात्रा से जुड़ी परंपराओं को लेकर अपने शिक्षकों से सवाल पूछे। शिक्षकों ने बच्चों की जिज्ञासाओं को समझते हुए सरल उदाहरणों के माध्यम से उनके प्रश्नों के उत्तर दिए।

शिक्षकों ने बच्चों को समझाया कि भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा हमें आपसी प्रेम, सहयोग, सेवा और समानता की भावना का संदेश देती है। रथयात्रा में समाज के अलग-अलग वर्गों के लोग एक साथ शामिल होते हैं और यही एकता एवं सद्भाव इसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए इस प्रकार के सांस्कृतिक अनुभव उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे कार्यक्रम उन्हें समाज के विभिन्न पहलुओं को समझने, लोगों के साथ जुड़ने और अपने आसपास की दुनिया के बारे में जानने का अवसर देते हैं। स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर ऐसे शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनका उद्देश्य बच्चों को किताबों और कक्षा की सीमाओं से आगे ले जाकर उन्हें वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ना है।

रथयात्रा का यह आयोजन भी इसी सोच का हिस्सा रहा। बच्चों ने जहां एक ओर अहमदाबाद की ऐतिहासिक परंपरा का आनंद लिया, वहीं दूसरी ओर भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को समझने का अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में भी बच्चों के बीच रथयात्रा को लेकर उत्साह बना रहा। शिक्षकों, ट्रस्ट के स्टाफ सदस्यों और सहयोगियों ने बच्चों के साथ मिलकर इस सांस्कृतिक अवसर का आनंद लिया। स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट की यह पहल इस बात का सुंदर उदाहरण रही कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को जब सीखने के साथ संस्कृति और समाज से जुड़ने के अवसर दिए जाते हैं, वे उसे पूरे उत्साह और जिज्ञासा के साथ अपनाते हैं। अहमदाबाद की ऐतिहासिक रथयात्रा का यह लाइव दर्शन बच्चों के लिए केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि खुशी, सीख, संस्कृति और सामाजिक जुड़ाव से भरा एक यादगार अनुभव बन गया।

वोइस टू दिव्यांग

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO)

25 जुलाई 2026 को उत्तर प्रदेश के चन्दौली जनपद स्थित विकास खण्ड परिसर, सदर में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO), कानपुर के सहयोग से दिव्यांगजनों के लिए मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल परीक्षण एवं चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले पात्र दिव्यांगजनों का परीक्षण एवं चिन्हांकन कर उन्हें मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना था।

शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन अपने परिजनों के साथ पहुंचे। विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं तकनीकी टीम द्वारा लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण, शारीरिक मूल्यांकन तथा आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। प्रत्येक लाभार्थी की आवश्यकता और शारीरिक स्थिति के अनुसार मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल की उपयुक्तता का आकलन किया गया। साथ ही यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र एवं पासपोर्ट आकार के फोटो जैसे आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया। ALIMCO, कानपुर के सहयोग से आयोजित यह पहल दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें अधिक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO), कानपुर के सहयोग से आयोजित चन्दौली का यह शिविर दिव्यांगजनों के लिए केवल सहायक उपकरण प्राप्त करने का अवसर नहीं था, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का माध्यम भी बना।

मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल दिव्यांगजनों के लिए आवागमन को आसान बनाने के साथ उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने में मदद कर सकती है। इससे दूसरों पर उनकी निर्भरता कम होने के साथ आत्मविश्वास और आत्मसम्मान भी बढ़ सकता है। शिविर में पहुंचे दिव्यांगजनों एवं उनके परिजनों ने इस पहल की सराहना की। कई लाभार्थियों के लिए रोजमर्रा के आवागमन की कठिनाइयों को कम करने में मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल एक महत्वपूर्ण साधन साबित हो सकती है।

ऐसे शिविर दिव्यांगजनों को केवल उपकरण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उन्हें सम्मान, समान अवसर और आत्मनिर्भरता से जोड़ने का कार्य करते हैं। ALIMCO, कानपुर द्वारा सहयोगित यह पहल दिव्यांग सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम है। ऐसे प्रयासों से पात्र दिव्यांगजनों तक आवश्यक सहायक उपकरण और सरकारी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा में अधिक सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। एक मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल किसी दिव्यांगजन के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और गरिमा के साथ जीवन जीने का माध्यम बन सकती है। चन्दौली में आयोजित यह शिविर इसी सोच को मजबूत करता है और दिव्यांगजनों के सशक्त एवं समावेशी भविष्य की ओर एक सकारात्मक कदम प्रस्तुत करता है।

नोएडा - गौतमबुद्ध नगर की बड़ी पहल

दिव्यांग विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आवश्यक संसाधन और समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में जिला बेसिक शिक्षा विभाग, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई इस योजना के अंतर्गत 85 विद्यार्थियों को ₹6,000-₹6,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, जबकि 109 विद्यार्थियों को ₹2,000 का स्टाइपेंड दिया जाएगा। इसके साथ ही जिले में 8 अगस्त से विशेष Assessment एवं परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य विद्यार्थियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पहचान कर उनके लिए उपयुक्त सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। दिव्यांग विद्यार्थियों के सामने शिक्षा के दौरान कई तरह की शारीरिक, मानसिक और संवेदी चुनौतियां आती हैं। कई बार उचित संसाधन या सहायक उपकरण उपलब्ध न होने के कारण उन्हें विद्यालय आने-जाने, कक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेने और पढ़ाई जारी रखने में कठिनाई होती है। ऐसे में आर्थिक सहायता और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता उनके शैक्षणिक सफर को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

आयोजित होने वाले विशेष परीक्षण शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों, फिजियोथेरेपिस्ट, ऑर्थोटिस्ट, तकनीकी विशेषज्ञों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम विद्यार्थियों का विस्तृत Assessment करेगी। परीक्षण के दौरान प्रत्येक विद्यार्थी की शारीरिक स्थिति, कार्यक्षमता और दैनिक आवश्यकताओं का आकलन किया जाएगा। इसके आधार पर उसके लिए आवश्यक सहायक उपकरणों का चयन किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को केवल सामान्य सहायता न देकर उनकी वास्तविक जरूरत के अनुरूप सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इस प्रक्रिया के बाद पात्र विद्यार्थियों को आवश्यक उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना है। परीक्षण प्रक्रिया में विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। ₹6,000 की आर्थिक सहायता और ₹2,000 के स्टाइपेंड का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने में परिवारों की मदद करना तथा बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है। यह पहल केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों के सामने आने वाली बाधाओं को कम करना और उन्हें शिक्षा के समान अवसर प्रदान करना है। जब बच्चे आवश्यक संसाधनों के साथ शिक्षा प्राप्त करते हैं, तो उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपनी क्षमताओं को बेहतर तरीके से विकसित कर पाते हैं।

वोइस टू दिव्यांग

ssessment शिविरों में जरूरत के अनुसार निःशुल्क सहायक उपकरणों का होगा चयन

नोएडा में शुरू की गई इस पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विशेष Assessment शिविर हैं। इन शिविरों के माध्यम से दिव्यांग विद्यार्थियों की वास्तविक जरूरतों को समझकर उन्हें उपयुक्त सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा। योजना के तहत विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार व्हीलचेयर, मोटराइज्ड या सामान्य ट्राईसाइकिल, बैसाखी, श्रवण यंत्र (हियरिंग एड), कृत्रिम अंग, विशेष जूते, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए अध्ययन सामग्री सहित विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की योजना है। इन उपकरणों का उद्देश्य बच्चों के लिए केवल सुविधा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें विद्यालय तक पहुंचने, कक्षा में सक्रिय भागीदारी करने और दैनिक कार्यों को अधिक स्वतंत्रता के साथ करने में सक्षम बनाना है। इस योजना के अंतर्गत कुल 165 दिव्यांग विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परीक्षण और चयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र विद्यार्थियों को उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला प्रशासन और बेसिक शिक्षा विभाग ने विद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि वे पात्र विद्यार्थियों की जानकारी समय पर उपलब्ध कराएं और उनके अभिभावकों को शिविर की तिथि, प्रक्रिया तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दें।

आर्थिक सहायता, स्टाइपेंड और सहायक उपकरणों के माध्यम से दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा की राह में आने वाली बाधाओं को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे प्रयास उन्हें भविष्य में उच्च शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर सकते हैं।

जिला बेसिक शिक्षा विभाग, गौतमबुद्ध नगर की यह पहल दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता के बीच एक मजबूत कड़ी स्थापित करती है। यदि देश के अन्य जिलों में भी ऐसी योजनाओं और नियमित Assessment शिविरों का विस्तार किया जाए, तो बड़ी संख्या में दिव्यांग विद्यार्थी अपनी क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ सकेंगे और समावेशी, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकेंगे।

वोइस टू दिव्यांग

देवेंद्र झाझरिया: संघर्ष से स्वर्णिम सफलता तक का प्रेरणादायक सफर

भारत के ऐसे कई व्यक्तित्व हैं जिन्होंने कठिन परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत बनाया। देवेंद्र झाझरिया भी ऐसे ही प्रेरणादायक खिलाड़ी हैं, जिन्होंने शारीरिक दिव्यांगता के बावजूद अपने साहस, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से भारतीय पैरा खेलों में इतिहास रचा। उनकी जीवन यात्रा केवल पदकों की कहानी नहीं, बल्कि यह संदेश है कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। देवेंद्र झाझरिया का जन्म 10 जून 1981 को राजस्थान के चूरू जिले के झाझरिया गांव में एक किसान परिवार में हुआ। बचपन से ही उन्हें खेलों में गहरी रुचि थी।

लेकिन महज आठ वर्ष की उम्र में एक दर्दनाक हादसे ने उनकी जिंदगी बदल दी। खेलते समय वे 11,000 वोल्ट की हाई-टेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उनकी जान बचाने के लिए डॉक्टरों को उनका बायां हाथ काटना पड़ा। यह हादसा उनके लिए बेहद कठिन था, लेकिन देवेंद्र ने हार मानने के बजाय परिस्थितियों का सामना करने का फैसला किया। उन्होंने अपनी पढ़ाई और खेल दोनों जारी रखे।

देवेंद्र झाझरिया की वर्षों की मेहनत और अनुशासन का सबसे बड़ा परिणाम 2004 एथेंस पैरालंपिक में देखने को मिला। उन्होंने भाला फेंक स्पर्धा में 62.15 मीटर की दूरी तय करते हुए विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। यह उपलब्धि भारतीय पैरा खेलों के लिए ऐतिहासिक थी और देशभर के दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए नई उम्मीद बनी।

एथेंस की सफलता के बाद भी देवेंद्र रुके नहीं। लगभग 12 वर्षों तक लगातार अभ्यास और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के बाद उन्होंने 2016 रियो पैरालंपिक में फिर इतिहास रचा। उन्होंने 63.97 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया और दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले पैरालंपियन बने। उनकी सफलता का सफर यहीं नहीं रुका। 2021 टोक्यो पैरालंपिक में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। लगातार तीन पैरालंपिक में पदक जीतना उनके समर्पण, निरंतर मेहनत और खेल के प्रति जुनून का प्रमाण है। उनकी उपलब्धियों ने भारतीय पैरा खेलों को नई पहचान देने के साथ हजारों दिव्यांग युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। देवेंद्र झाझरिया की असाधारण उपलब्धियों के लिए उन्हें देश के कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया। उन्हें अर्जुन पुरस्कार, पद्मश्री और मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार जैसे महत्वपूर्ण सम्मान प्राप्त हुए। ये सम्मान उनकी व्यक्तिगत सफलता के साथ-साथ भारतीय पैरा खेलों की बढ़ती पहचान और दिव्यांग खिलाड़ियों की क्षमता का भी प्रतीक हैं।

देवेंद्र झाझरिया की जीवन यात्रा हमें सिखाती है कि सफलता के लिए परिस्थितियों का अनुकूल होना जरूरी नहीं, बल्कि इरादों का मजबूत होना जरूरी है। उनकी कहानी एक हाथ खोने की कहानी नहीं, बल्कि उस हौसले की कहानी है जिसने हर सीमा को पीछे छोड़ते हुए आसमान से भी ऊंची उड़ान भरी।वे इस बात का उदाहरण हैं कि अवसर और सही मंच मिलने पर दिव्यांगजन राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

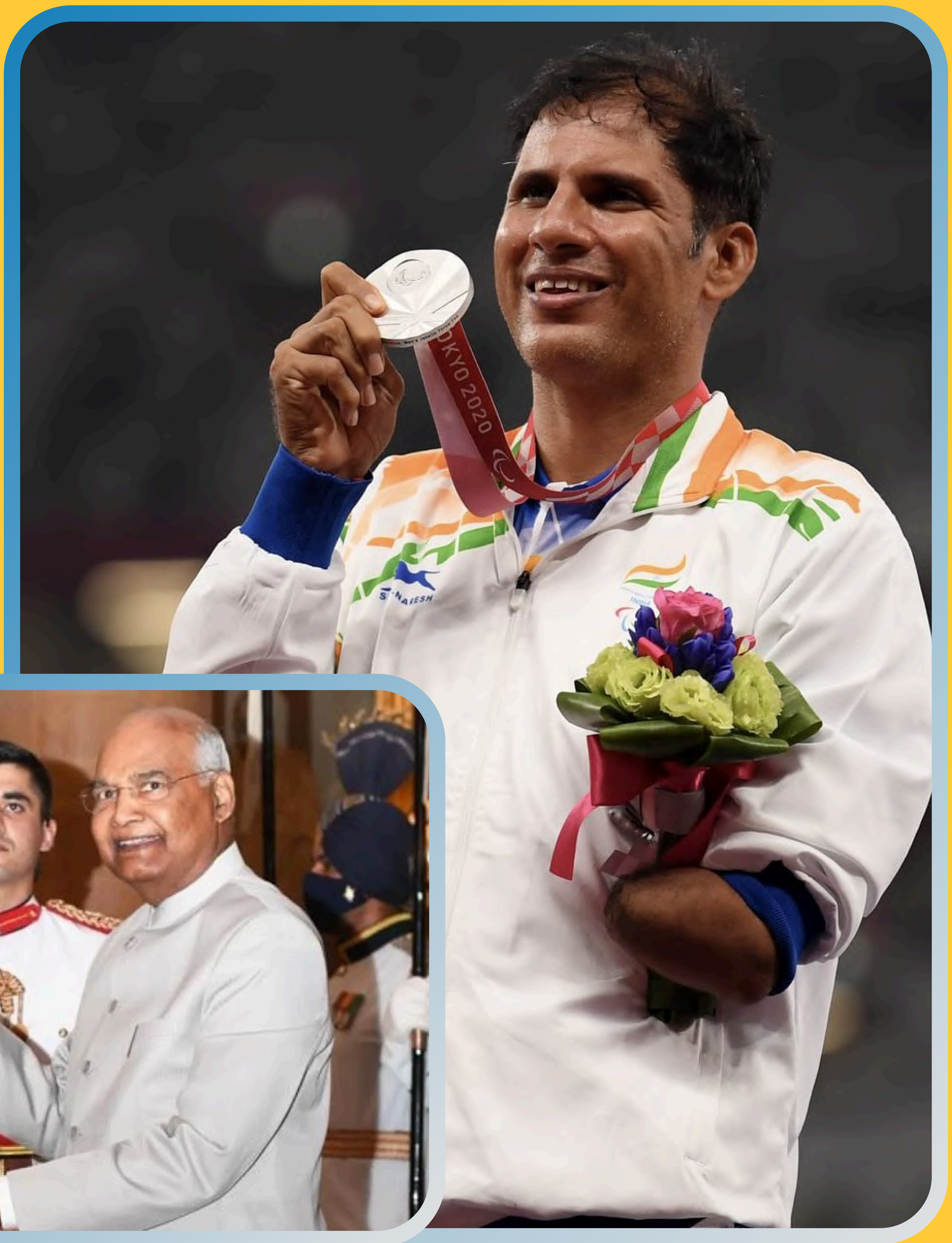

दिव्यांग सेतुः समान अवसरों से सशक्त भारत की ओर

"स्वतंत्रता केवल बंधनों से मुक्ति नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर मिलने का नाम है।" 15 अगस्त को जब हम भारत की स्वतंत्रता का उत्सव मनाते हैं, तब यह भी समझना आवश्यक है कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी पूर्ण होगा, जब समाज का प्रत्येक वर्ग समान अवसरों के साथ आगे बढ़ सके। इसी विचार को अपने नाम में समेटे "दिव्यांग सेतु" दिव्यांगजनों और समाज के बीच अवसर, अधिकार, सम्मान और सहभागिता का एक मजबूत सेतु बनने की भावना को दर्शाता है। आज भारत तेजी से एक समावेशी और आत्मनिर्भर राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल, कला, प्रशासन, उद्योग और उद्यमिता जैसे अनेक क्षेत्रों में दिव्यांगजन अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रहे हैं। उनकी उपलब्धियां यह सिद्ध करती हैं कि दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता की सीमा नहीं, बल्कि समाज की सोच और अवसरों की उपलब्धता से जुड़ी चुनौती है।

दिव्यांगजनों को दया नहीं, समान अवसर और अधिकार चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, सुगम परिवेश, रोजगार, स्वरोजगार और सुलभ डिजिटल एवं सार्वजनिक सेवाएं उपलब्ध हों, तो दिव्यांगजन न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब दिव्यांगजन भी आत्मनिर्भर होंगे। आत्मनिर्भरता केवल रोजगार पाने तक सीमित नहीं है। अपने निर्णय स्वयं लेना, सम्मान के साथ जीवन जीना, अपनी प्रतिभा को पहचान देना और समाज में सक्रिय भागीदारी निभाना भी आत्मनिर्भरता का ही हिस्सा है।

एक समावेशी भारत के निर्माण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, बल्कि हम सभी की है। हमारे विद्यालय, महाविद्यालय, कार्यालय, सार्वजनिक स्थान, परिवहन और डिजिटल सेवाएं सभी के लिए सुलभ हों तथा दिव्यांगजनों के प्रति समाज में सम्मान, संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच विकसित हो—यही सच्चे विकास की पहचान है। इस स्वतंत्रता दिवस पर हमें ऐसा भारत बनाने का संकल्प लेना चाहिए, जहां किसी व्यक्ति की पहचान उसकी दिव्यांगता से नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा, मेहनत और क्षमता से हो। दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, युवाओं को रोजगार और उद्यमिता तथा दिव्यांग महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर मिलें—यही एक विकसित और समावेशी भारत की दिशा है।

"दिव्यांग सेतु" इसी विश्वास का प्रतीक है कि जब हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का समान अवसर मिलेगा, तभी स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ साकार होगा। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा भारत बनाने का संकल्प लें, जहां हर दिव्यांगजन गर्व से कह सके—

"मैं स्वतंत्र हूँ, मैं सक्षम हूँ और मैं भारत के विकास का सहभागी हूँ।"

Invitation

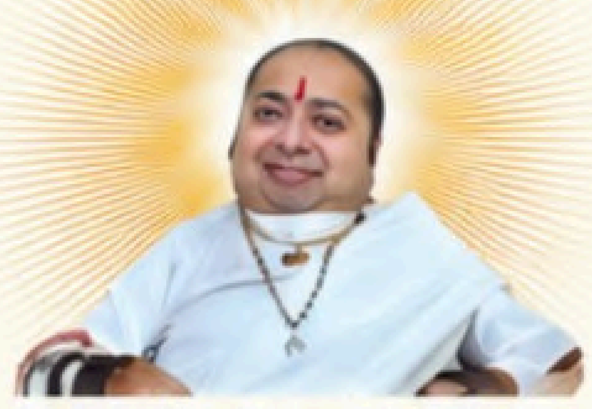

OMKAR FOUNDATION TRUST ORGANISED

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION

for Intellectual Disabled

નીચે આપેલ થીમમાંથી તમે કોઈ પણ એક થીમમાં ભાગ લઈને કરીને આકર્ષક ઈનામ જીતી શકો છો.

1 DANCE PERFORMANCE

(સ્વતંત્રતા દિવસને લગતા Song)

જે પણ બાળકોને ગ્રુપમાં ડાન્સ કરવો હોય તો પણ કરી શકે અને Solo Performance કરવું હોય તો પણ કરી શકે છે.

2 FANCY-DRESS COMPETITION

- ફ્રીડમ - ફાઈટર કોસ્ચ્યુમ
- ટ્રાઈકલર આઉટફીટ
- પેટ્રીયોટીક ડ્રેસ
- સ્વચ્છ ભારત અભિયાન
- ડીજીટલ ઈન્ડીયા

3 SONG & SPEECH

જે પણ બાળકોને સ્વતંત્રતા દિવસને લગતી Speech, Song કે કવિતા બોલવી હોય તો પણ બોલી શકે છે.

વિજેતા થનાર બાળકો માટે આકર્ષક ઈનામ રાખેલ છે.

Date: 15/8/2026, Saturday

Venue : Annapurna Hall, New Vikas Gruh Road, Paldi, Ahmedabad.

Time: 2pm to 4pm

ભાગ લેવા ઈચ્છતા બાળકો માટે નીચે આપેલ નંબર પર રજીસ્ટ્રેશન કરાવી લોવું. 9974955125

નાસ્તાની વ્યવસ્થા રાખેલ છે.

ORGANISED BY :

Omkar Foundation Trust (NGO)

Trust Reg. No. E / 20646 / Ahmedabad

001, Angi Apartment, Opp. Annapurna Party Plot, New Vikas Gruh Road, Paldi, Ahmedabad.

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट संचालित

(N.G.O.)

संचालित

ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर

मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क तालीम संस्था

▲ DIVYANG KITE FESTIVAL ▲ SPORTS DAY CELIBRATION ▲ REPUBLIC DAY CELIBRATION ▲ HOLI CELIBRATION
▲ KIDS FASHION SHOW ▲ DRAWING COMPITITION ▲ WORLD ENVIRONMENT DAY ▲ DISABILITY AWARNESS CAMP
▲ ART & CRAFT WORK SHOP ▲ FUN & GAMES (MINUTE TO WIN IT) ▲ NAVRATRI CELIBRATION

★★★ शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करें ★★★

सुमेल ५, हाउस नं.: ४८/डी, बिजनेस पार्क, चामुंडा ब्रीज कोर्नर,
असारवा, अहमदाबाद-३८००१६ मो.: 99749 55125, 7575876618

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर